THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI YOGENDRA MAKWANA): (a) and (b) Information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

केन्द्रीय मात्स्यकी शिक्षा संस्थान की रिपोर्ट

756. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय मात्स्यकी शिक्षा संस्थान के समीक्षा दल ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है ; यदि हां, तो इस रिपोर्ट का ब्यौरा क्या है ; सरकार ने इस रिपोर्ट पर क्या निर्णय लिया है अथवा लेने का विचार रखती है और कब तक ; और

(ख) क्या मात्स्यकी विश्वविद्यालय की स्थापना करने के लिए कोई निर्णय ले लिया गया है अथवा मात्स्यकी विभाग को कृषि मंत्रालय से अलग करने संबंधी सिफारिश पर विचार किया गया है और यदि हा, तो इस मामले मे कब तक निर्णय लिये जाने की संभावना है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग मे राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) जी हां, श्रीमन् । केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के पंच-वर्षीय समीक्षा दल द्वारा की गई कुछ महत्वपूर्ण सिफारिशे जो 12 दिसम्बर 1983 को परिषद को पेश की गई थीं वे ये थीं--संस्थान के मुख्यालयो और उसके क्षेत्रीय केन्द्रों मे संरचना के विस्तार, वर्तमान डिप्लोमा और सर्टी-फिकेट पाठ्यक्रम के स्थान पर पोस्ट ग्रेजूएट डिग्री को लागू करना, प्रशिक्षार्थियो के लाभ के लिए अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रमो को सुदृढ करना और पुन: *अभिविन्यास* करना, अनुसंधान पोतो के कारगर उपयोग के लिए सहायक संस्थानों के साथ सहयोगी कार्यक्रम चलाना, संस्थानों के प्रकाशन-गतिविधियो को सरल बनाना, अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षको की माग को ध्यान मे रखते हुए अल्प अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमो को सुदृढ़ करना और सी० आई० एफ० ई० मे राष्ट्रीय मात्स्यिकी विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ मात्स्यिकी शिक्षा की पूर्ण पद्धति को प्रयोग में लाना । पंचवर्षीय समीक्षा दल द्वारा की गई अधिकाश सिफारिशो पर संस्थान ने कार्यवाही की है ।

(ख) सी० आई० एफ० ई० को डिम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दिये जाने से संबंधित प्रस्ताव को अभी अंतिम रूप नही दिया गया है । जहां तक कृषि मंत्रालय से मात्स्यिकी विभाग को अलग करने का संबंध है, इस मामले की जांच की जा रही है ।

सूखे की स्थिति का आकलन करने के लिए केन्द्रीय दलों के दौरे

757. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सूखे और बाढ से कितने राज्य प्रभावित हुए है और इस संबंध में केन्द्रीय दलो ने इन राज्यो का दौरा कब किया और उन्होंने केन्द्रीय सरकार को क्या रिपोर्टें प्रस्तुत की हैं और ये रिपोर्टें कब प्रस्तुत की गयी थी ; उन पर क्या निर्णय लिये गये है और प्रभावित राज्यों को कितनी सहायता उपलब्ध करायी गयी है और यह कब उपलब्ध करायी गयी ;

(ख) इन राज्यों ने कितनी-कितनी धनराशि की सहायता मांगी और उन्होंने यह सहायता कब मागी और उनकी मांगो को किस प्रकार से पूरा किया गया , और

(ग) इस संबंध में भावी योजनाएं क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) और (ख) वर्ष 1987-88 के दौरान सूखे और बाढ़ से प्रभावित राज्यो की संख्या, केन्द्रीय दलो के दौरो की तारीखें, मागी गयी और